Maharastra Urdu Writers Guild

President - **salam bin Razzaq**
Gen Secretry - **Yakoob Rahi**

महाराष्ट्र उर्दू राईटर्स गिल्ड

प्रतिः

पुलिस कमिश्नर मुंबई

20·7·04

विषयः दैनिक उर्दू टाइम्स द्वारा धार्मिक उन्माद फैलाने का षड़यंत्र

श्रीमान महोदय,

दैनिक उर्दू टाइम्स (१८.७.०४) में मुख पृष्ठ पर प्रकाशित एक खबर से पता चला है कि आपसे कुछ मौलवियों ने मिलकर यह शिकायत की है कि महाराष्ट्र राज्य उर्दू अकादमी के एक सेमिनार में कुरआन का अपमान किया गया है. जिससे मुसलमानों में काफी गुस्सा है और कथित तौर पर कुरआम का अपमान करने वाले लेखक डॉ. अली अहमद फातमी और सेमिनार के आयोजक महाराष्ट्र राज्य उर्दू अकादमी के कार्याध्यक्ष साजिद रशीद की गिरफ्तारी की मांग भी की गई है.

उर्दू टाइम्स ने जिस सेमिनारका हवाला दिया है वह दिवंगत उर्दू के लेखक कृश्न चंद्र की २७वीं पुण्यतिथि के अवसर पर १२ और १३ जून को मुंबई के अकबर पीर भाई हाल में हुआ था. इस दो दिवसीय सेमिनार में पूरे देश से आये ५० से अधिक उर्दू लेखकों ने भाग लिया था. हम भी उस सेमिनार में दोनों दिन उपस्थित थे इसलिए पूरी जिम्मेदारी के साथ आपको यह बताना चाहते हैं कि सेमिनार के पहले दिन (१२ जून) के एक चर्चा सत्र में डॉ. अली अहमद फातमी ने कृश्न चंद्र का पक्ष लेते हुए कहा था 'कुछ आलोचक उन पर आरोप लगाते हैं कि वे मजदूरों और गरीबों का प्रोपेगंडा करते थे. मैं समझता हूं कि किसी विचार का प्रोपेगंडा कोई गलत बात नहीं है कुरआन भी इस्लाम का प्रोपेगंडा है'....डॉ. फातमी अपनी बात पूरी भी नहीं कर पाये थे प्राध्यापक डॉ. रफिया शबनम आबदी ने उन्हें टोका कि वे कुरआन को प्रोपेगंडा नहीं कह सकते वे अपने शब्द वापस लें जिस पर अकादमी ने कार्याध्यक्ष साजिद रशीद ने डॉ. आबदी से कहा कि 'डॉ. फातमी को अपनी बात पूरी करने दीजिए'. अगर आप डॉ. फातमी की पूरी बात नहीं सुनेंगी और विरोध प्रकट करेंगी तो यह बजरंग दली व्यवहार होगा. इसके बाद डॉ. फातमी ने स्पष्ट किया कि उन्होंने अंग्रेजी शब्द प्रोपेगेशन से प्रोपेगंडा शब्द लिया है जिसका अर्थ प्रचार प्रसार है और मैं समझता हूं कि सारी मजहबी किताबें अपने-अपने विचारों का प्रचार प्रसार करती है. डॉ. फातमी ने फिर यह भी कहा कि अगर आपको ऐतराज है तो मैं माफी चाहता हूं और अपने शब्द वापस लेता हूं. मेरा मकसद किसी का दिल दुखाना नहीं था. डॉ. फातमी के इस स्पष्टीकरण के बाद न तो कोई विवाद हुआ और न ही कोई अप्रिय बात हुई. डॉ. आबदी ने भी अपना संतोष व्यक्त किया.

इस सेमिनार के ठीक एक महीने बाद १६ जुलाई उर्दू टाइम्स ने सेमिनार की उपर्युक्त घटना को ''नौजबिल्लाह! कुरआन पाक प्रोपेगंडा है/ महाराष्ट्र उर्दू साहित्य अकादमी के सेमिनार में कुरआन पाक की बेहुरमती (अपमान) पर खामोशी क्यों ?'' शीर्षक के साथ तोड़-मरोड़ कर पेश किया. इस तरह से उर्दू टाइम्स ने कुरआन के अपमान जैसी संवेदनशील सुर्खी लगाकर आम मुसलमानों को डॉ. फातमी और अकादमी के कार्याध्यक्ष साजिद रशीद के खिलाफ उत्तेजित करने की निंदनीय कोशिश की. उर्दू टाइम्स की बुरी नीयत का पता इससे भी चलता है कि उर्दू टाइम्स का रिपोर्टर सेमिनार के दोनों दिन उपस्थित था. अगर कोई विवाद हुआ होता तो दूसरे रोज यह खबर जरूर उसके अखबार

Resi : 101, Arpan Apartment, Laxmi Park, Naya Nagar, Mira Road (E), Mumbai-401 107.
Tel .: (R) 2811 6915 (O) 95250 -2438560 Mob.: 9820381737

Maharastra Urdu Writers-Guild

President - **salam bin Razzaq**
Gen Secretry - **Yakoob Rahi**

महाराष्ट्र उर्दू राईटर्स गिल्ड

में छपती जो अब एक महीने बाद छपी है .

वास्तविकता यह है कि उर्दू टाइम्स स्वयं ही धार्मिक उत्तेजना पैदा करने के लिए कुरआन के अपमान का एक ऐसा मामला पेश कर रहा है इस्लाम में जिसकी सजा मौत तक हो सकती है इस तरह उर्दू टाइम्स श्री साजिद रशीद और डॉ. फातमी की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहा है.

हमारी आपसे प्रार्थना है कि आप इस पूरे मामले को गंभीरता से लें क्योंकि एक बेबुनियाद और निहित स्वार्थों से प्रेरित एक खबर से शहर में सांप्रदायिक तनाव भी फैल सकता है इसलिए आप इस मामले की गहनता से जांच करा के [redacted] के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करें. जिससे कि [redacted] फिर कभी कोई धार्मिक उत्तेजना फैलाने का साहस न कर सके।

आभारी

1 - इनायत अख्तर —
2 - ~~सलाम बिन रज़्ज़ाक~~ —
3 - आसिफ खलिक —
4 - असलम परवेज़ —
5 - अब्दुल अहद साज़
6 - सलाम बिन रज़्ज़ाक
7. याकूब राही
8 रहमान अब्बास
9) मुख्तार खान